स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए जाने के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी का अभिभाषण

विज्ञान भवन, नई दिल्ली: 11.04.2016

मुझे 7वें 'सार्वजनिक क्षेत्र दिवस' के अवसर पर, आज आपके बीच उपस्थित होकर प्रसन्नता हुई है। मैं सर्वप्रथम 2010 में अपनी शुरुआत के बाद से प्रत्येक वर्ष इस समारोह के शानदार आयोजन के लिए सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन (स्कोप) तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग का धन्यवाद करता हूं। मैं केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का उनके प्रयासों तथा नेतृत्व गुण पैदा करने में उनकी उपलब्धियों हेतु सम्मान करने के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग तथा स्कोप का विशेष तौर से धन्यवाद करता हूं। यह संतोष का विषय है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में महिलाओं की भूमिका का, इन उद्यमों में उल्लेखनीय महिला प्रबंधक के लिए विशेष प्रशंसापत्र प्रदान करके सम्मान और सराहना की जा रही है।

2. संतुलित आर्थिक और औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने में भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का योगदान महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक क्षेत्र स्वतंत्रता के बाद से संख्या, विविधता, निवेश की मात्रा तथा वैश्विक मौजूदगी के मामले में कई गुना बढ़ गया है। ये उपलब्धियां स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक वर्षों में पूंजी तथा उद्यमशीलता के अभाव, दीर्घ विकास अवधि के कारण पूंजी आधारित उद्योग की स्थापना में निजी कंपनियों की उदासीनता तथा रोजगार पैदा करने और देश के संतुलित सामाजिक-आर्थिक और क्षेत्रिय विकास सुनिश्चित करने की आवश्यकता की पृष्ठभूमि में और उल्लेखनीय हैं। यह सामान्य सत्य है कि

अधिकतर, समग्र सामाजिक विकास के व्यापक उद्देश्य की प्राथमिकता देने में लाभ के उद्देश्य को त्याग दिया गया।

3. भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री तथा अन्य विशिष्टगणों ने वर्षों के दौरान केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की अनेक उपलब्धियों तथा इन उद्यमों के निष्पादन को और सुधारने के लिए सरकार द्वारा की गई नीतिगत पहलों का अत्यंत स्पष्ट विवरण दिया है। मैं लोक उद्यम विभाग तथा स्कोप की केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का सतत दीर्घकालिक विकास, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बोर्डों की बढ़ी हुई स्वायत्ता, कॉरपोरेटर शासन तथा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व सुनिश्चित करने के लक्ष्य से सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन नीतियों के पुन: संशोधन तथा पुन: खोज की नई पहल करने की सक्रिय भूमिका के लिए सराहना करता हूं। ऐसी आवधिक नीतिगत समीक्षाएं तथा कार्य संशोधनों से सरकार की प्राथमिकताओं को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के कामकाज के साथ जोड़ने तथा अर्थव्यवस्था के विकास पर सहक्रियात्मक बहुगुणित प्रभाव पैदा करने में मदद मिलती है।

4. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों ने 2014-15 के दौरान वित्त वर्ष की तुलना में भुगतान पूंजी और प्रयुक्त पूंजी में 7 प्रतिशत; कुल निवेश में 10.5 प्रतिशत तथा कुल बाजार पूंजीकरण में 20 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। 2012-13 से 2014-15 तक तीन वर्षों के दौरान, कार्यशील सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम रु. 115426 करोड़ रुपये का कुल शुद्ध लाभ अर्जित कर सके। रु. 2002591 करोड़ का समग्र टर्नओवर/राजस्व सृजित तथा रु. 57115 करोड़ का लाभांश का भुगतान कर पाए। सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का राष्ट्रीय आय में योगदान वर्ष दर वर्ष उल्लेखनीय होता गया है।

5. प्रधानमंत्री और सरकार ने देश के समावेशी विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी और स्पष्ट संकल्पना की रूपरेखा तैयार की है। भारत में निर्माण, कौशल निर्माण, डिजीटल भारत तथा स्वच्छ भारत जैसे कार्यक्रम भारत के भावी विकास के आधार हैं। मुझे इन राष्ट्रीय प्राथमिकता क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों के योगदान के बारे में जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है। मैं इन पहलों में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों के योगदान का प्रदर्शन करने वाली एक व्यापक प्रदर्शनी के आयोजन के लिए स्कोप की सराहना करता हूं।

6. हमारे केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों ने सरकार के स्वच्छ भारत अभियान में एक अहम भूमिका निभाई है तथा मैं सरकार की इस विशिष्ट पहल में भरपूर भागीदारी के लिए इन उद्‌यमों की प्रबंधन और कर्मचारियों की प्रशंसा करता हूं। मैं केंद्रीय सरकार क्षेत्र उद्‌यमों से प्रत्येक वर्ष अपने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत देश के उत्थान के लक्ष्य वाले साझे कार्य या मुद्‌दे आरंभ करने का आग्रह करता हूं। इससे केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों की प्रत्येक वर्ष सरकार द्‌वारा पहचाने गए व्यापक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर आधारित कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत आरंभ किए जाने वाले विभिन्न सामान्य कार्यों को चुनने की सुविधा प्राप्त होगी।

7. हमारे बजट में और बड़े आर्थिक कार्यकलाप के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों की संपत्ति को खोलने की आवश्यकता के प्रति ध्यान आकर्षित किया है। केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यम को अपने पास उपलब्ध अतिरिक्त भूमि की पहचान करने और उसे खोलने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए ताकि अर्थव्यवस्था को तेज करने तथा

रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए अत्यावश्यक सार्वजनिक निवेश सृजित किया जा सके। इसी प्रकार हमारे केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के पास उपलब्ध मुक्त अतिरिक्त अवसरों की पहचान और उन्हें प्रयोग करना भी आवश्यक है ताकि इन्हें बढ़े हुए पूंजी व्यय के लिए इस्तेमाल किया जा सके।

देवियो और सज्जनो,

8. एक वैश्विक रूप से समेकित अर्थव्यवस्था में, यह आवश्यक है कि हमारे केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम प्रतिस्पर्धा का सामना करने और उसमें सफल होने के लिए सहयोग करें तथा संसाधनों को एकजुट करें। हमारे केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के वित्तीय, तकनीकी और जनशक्ति संसाधनों का निरंतर ग्राहक उन्मुख बाजारों में बेहतर तथा और अधिक इष्टतम समाधान के लिए आदान-प्रदान करना होगा। कंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के पास उपलब्ध विशिष्ट मानव पूंजी को उपयुक्त कार्यनीतियों तथा प्रयासों के सृजन के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए जिससे घरेलू और विश्व बाजार दोनों में प्रचालन के निष्पादन और विस्तार में सुधार आए। यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम एक मॉडल नियोक्ता बना हुआ है तथा बढ़ती हुई प्रतिस्पर्द्धा के सम्मुख अपने कार्यों में नैतिक मानदंड कायम रखे हुए है।

9. महिला सशक्तीकरण समाज के विकास की कुंजी है। इसलिए यह देखकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि स्कोप केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में उत्कृष्ट महिला प्रबंधक को एक विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान कर रहा है, इससे सार्वजनिक क्षेत्र में महिला कर्मियों की भूमिका को

प्रोत्साहन और बढ़ावा मिलेगा। यह भी जानकर खुशी हुई है कि महिला कर्मचारियों के विकास और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों प्रगति के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए है।

10. आर्थिक सुधार आरंभ करने के बाद की सरकारों ने घरेलू और विदेशी कंपनियों के साथ स्पर्द्‌धा के लिए सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों में बढ़े हुए विदेशी निवेश सहित एक अधिक मुक्त अर्थव्यवस्था की और प्रणालीगत बदलाव आरंभ किया है। मुझे विशेष तौर से खुशी है कि प्रतिस्पर्द्‌धात्मक वातावरण की मौजूदगी में, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्‌यमों ने एक क्रमिक उदारीकृत अर्थव्यवस्था में अपने निजी समकक्षों के सदृश कार्य करने के लिए अपनी प्रौद्‌योगिकियों और क्षमताओं को बढ़ाने की उल्लेखनीय पहल की है। उत्कृष्टता के निरंतर प्रयासों से अनेक नए सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों को आत्मनिर्भर बनाया है तथा भारतीय अर्थव्यवस्था के निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

11. भारतीय अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक विकास संभावनाएं सकारात्मक बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हमारी अर्थव्यवस्था को वैश्विक रूप से निराशाजनक आर्थिक परिदृश्य में एकमात्र आशा की किरण बताया है। सरकार, भारत की विकास गाथा तथा राजस्व और मौद्रिक दोनों मोर्चों पर प्रगतिशील वृहद स्तर समेकन के प्रति वचनबद्‌ध रही है। इसलिए, हम सभी विशेषकर सार्वजनिक क्षेत्र का देश की आर्थिक विकास की गति को तेज करने की दृष्टि से उत्कृष्टता का प्रयास जारी रखने का दायित्व है।

12. मैं इस अवसर पर, पुरस्कार विजेता केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों के प्रबंधन और परिश्रम, टीम प्रयास और लगन के लिए सराहना करता हूं। आज के पुरस्कार उनके सराहनीय प्रदर्शन का सम्मान है। मुझे

विश्वास है कि आप सभी अपनी विशाल जनसंख्या की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भविष्य में और कड़ा परिश्रम करेंगे। मैं एक बार पुन: स्कोप की केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की पहचान और सम्मान के लिए स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार आरंभ करने के लए सराहना करता हूं। इससे अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने तथा उच्च स्तरीय कुशलता प्राप्त करने के लिए सभी कर्मचारियों को प्रेरणा मिलेगी।

13. मुझे यह उल्लेख करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आज देशभर के विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌यमों में सार्वजनिक क्षेत्र दिवस मनाया जा रहा है। मैं 'सार्वजनिक क्षेत्र दिवस' के आयोजन और आपके भावी प्रयासों के सफल होने की कामना करता हूं।

धन्यवाद।

जयहिन्द।